सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 226 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 22 सितम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

पुस्तकें वो साधन हैं, जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

एशियन गेम्स फुटबॉल में भारत... 7 | महिला आरक्षण बिल राजनीतिक... 3 | बीजेपी की नीतियों से यूपी में... 2

पिछड़ी जाति को लेकर राहुल ने मोदी पर बोला तीखा हमला

सत्ता पक्ष पीट रही ढिंढोरा, विपक्ष बोला- सिर्फ चुनावी शिगूफा | सब बोले- तत्काल लागू किया जाए अधिनियम | कांग्रेस की मांग- जनगणना व परिसीमन को हटाया जाए, पिछड़ों को मिले कोटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल संसद के लोकसभा व राज्य सभा भारी बहुमत से पास हो गया है। अब उसके बाद इस पर राजनीति भी शुरू हो गई। जहां भाजपा इस बिल के पास होने के बाद जश्न मना रही है वहीं कांग्रेस ने इसे असली मुद्दों से भटकाने वाला बताकर मोदी सरकार को घेरा है।

गौरतलब हो कि नई संसद भवन में चले विशेष सत्र में पहले लोकसभा में फिर राज्य सभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। अब यह राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन जाएगा। पर अभी इसे लागू करने में कम से कम 6 से 7 साल लग जाएंगे, इसी को लेकर मोदी सरकार पर पूरा विपक्ष हमलावर भी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सच तो यह है कि आरक्षण आज लागू हो सकता है। यह कोई जटिल मामला नहीं है लेकिन सरकार ऐसा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसे देश के सामने पेश कर दिया है लेकिन इसे अब से 10 साल बाद लागू किया जाएगा। कोई नहीं जानता कि यह लागू भी होगा या नहीं। संसद से महिला आरक्षण विधेयक पास होने के बाद राजनीति भी जारी है। भले ही लगभग सभी राजनीतिक दलों ने इसका समर्थन किया है। लेकिन कहीं ना कहीं उनकी ओर से सवाल भी उठाए जा रहे हैं।

ध्यान भटकाने की हो रही कोशिश : राहुल

इन सबके बीच आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि महिला आरक्षण को आज से ही लागू किया जा सकता है। लेकिन सरकार ऐसा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना से ध्यान भटकने की लगातार सरकार की ओर से कोशिश हो रही है। उन्होंने मांग की की नारी शक्ति वंदन बिल से दो प्रावधान जनगणना और परिसीमन को हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक बढ़िया है लेकिन हमें दो फुटनोट मिले कि जनगणना और परिसीमन उससे पहले करने की जरूरत है। इन दोनों में वर्षों लगेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसे देश के सामने पेश कर दिया है लेकिन इसे अब से 10 साल बाद लागू किया जाएगा। कोई नहीं जानता कि यह लागू भी होगा या नहीं। यह ध्यान भटकाने की युक्ति है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि ऐसा क्या है जिससे आपका ध्यान हटाया जा रहा है? ओबीसी जनगणना से। मैंने संसद में एक संस्था के बारे में बात की, जो भारत सरकार चलाती है - कैबिनेट सचिव और सचिव...मैंने पूछा कि 90 में से केवल तीन लोग ओबीसी समुदाय से क्यों हैं?...मुझे समझ नहीं आता कि पीएम मोदी क्या बोलते हैं हर दिन ओबीसी की लेकिन उन्होंने उनके लिए क्या किया?

राज्यसभा में पक्ष में पड़े 214 वोट

भाजपा बोली- ऐतिहासिक क्षण, बजेगा महिलाओं का डंका

इससे पहले लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के प्रावधान वाला 128वां संविधान संशोधन विधेयक गुरुवार को राज्यसभा में पास हो गया। दिनभर की लंबी चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया गया। बिल के पक्ष में 214 वोट पड़े, जबकि किसी ने भी बिल के खिलाफ वोट नहीं डाला। इसी के साथ संसद और विधानसभाओं में महिला सशक्तिकरण की राह में बीते 27 साल से पड़ा सूखा खत्म हो गया और नए संसद भवन ने पहले ही सत्र में नारी शक्ति का वंदन करने का नया इतिहास रच दिया। इससे पहले विधेयक को बुधवार को लोकसभा से मंजूरी मिल गई थी। लोकसभा ने भी इस बिल को दो तिहाई बहुमत के साथ पास किया था। इसके पक्ष में 454 और विरोध में दो वोट पड़े थे।

पूर्ण बहुमत वाली सरकार बड़े फैसले लेती है : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महिला आरक्षण विधेयक पारित होने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की प्रतिबद्धता थी और उसने आज इसे पूरा कर दिया। उन्होंने कहा कि दशकों की बाधाएं थीं, लेकिन जब इरादा स्पष्ट होता है, तो हम परिणाम देखते हैं। उन्होंने बिल के पक्ष में वोट करने के लिए सांसदों को धन्यवाद देते हुए कहा कि सांसदों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर बिल का समर्थन किया। मोदी ने कहा कि मैं आज देश की सभी महिलाओं को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। कल और परसों हमने एक नया इतिहास बनते देखा। हमारा सौभाग्य है कि करोड़ों लोगों ने हमें यह इतिहास बनाने का अवसर दिया है। वहीं ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक के संसद से पारित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं के पैर भी छुए। इसके बाद महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी का अभिनंदन किया।

लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में लालू को कोर्ट से झटका, भेजा समन

» चार अक्टूबर तक हाजिर होने का आदेश, नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लालू यादव की नौकरी के बदले जमीन घोटाले में मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अब उन्हें समन भेजकर पेश होने के लिए कहा है। बिहार के पूर्व सीएम और राजद सुप्रीमो लालू यादव के साथ रेलवे के पूर्व अधिकारियों और अन्य आरोपियों को भी यह समन भेजा गया है।

इन सभी को चार अक्टूबर को पेश होने के लिए कोर्ट ने कहा है। 12 सितंबर को, सीबीआई ने अदालत को सूचित किया था कि मामले में एक ताजा आरोप पत्र में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी गृह मंत्रालय से प्राप्त की गई थी।

यह घटनाक्रम जुलाई में अदालत द्वारा बिहार के नेता और अन्य आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी प्राप्त करने के लिए सीबीआई को समय दिए जाने के बाद हुआ। यह मामला कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है जब लालू प्रसाद यादव 2004 से 2009 तक कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में रेल मंत्री थे। सीबीआई का आरोप है कि जमीन के बदले कथित तौर पर लोगों को रेलवे में नौकरी दी गई।

भाजपा को लगा सुप्रीम झटका, केजरीवाल सरकार के फैसले पर हस्तक्षेप से इंकार

» दिल्ली में दिवाली पर नहीं फोड़ पाएंगे पटाखे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में दिवाली पर पटाखे फोड़ने का इंतजार कर रहे लोगों को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली पर दिल्ली में सभी प्रकार के पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के दिल्ली सरकार के फैसले पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने इसी के साथ बेरियम का उपयोग कर पटाखों के निर्माण और उपयोग की मांग वाली याचिका भी खारिज कर दी है।

केंद्र सरकार और पटाखा निर्माताओं ने इन पटाखों के निर्माण और बिक्री की प्रक्रिया की जानकारी स्ट को दी थी। दोनों ने इनके निर्माण को मंजूरी का अनुरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश में सभी जगह बेरियम युक्त पटाखों पर बैन रहेगा। बेरियम से बने पटाखे कोई नहीं जला सकता। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर हर जगह ग्रीन पटाखों को जलाया जा सकता है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने हाल ही में राज्य में पटाखों के निर्माण, बिक्री और जमाखोरी पर बैन लगाया था। कोर्ट ने इससे पहले भी कहा था कि लोगों का स्वास्थ्य जरूरी है, न कि पटाखे जलाने। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकार ने जो फैसला लिया है उसका कड़े तरीके से पालन होना चाहिए।

भाजपा ने किया था विरोध

बता दें कि दिल्ली सरकार के फैसला का दिल्ली भाजपा ने कड़ा विरोध किया था। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया था कि केजरीवाल हिंदूओं को उनका त्योहार अच्छे से मनाने नहीं देना चाहते हैं। इससे पहले भाजपा नेता मनोज तिवारी ने भी सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकार के खिलाफ याचिका डाली थी।

बीजेपी की नीतियों से यूपी में हाहाकार : अखिलेश

» बोले- महंगाई से आम आदमी का जीवन त्राहि-त्राहि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से लोग पूरी तरह से परेशान हो गये हैं। बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार ने आर्थिक ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। जनसामान्य का जिंदा रहना दूभर हो गया है। लोग बेबस और लाचार हैं। लोग कर्ज पर जीवन निर्वाह को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण देश में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार लोगों के घरेलू बजट पर बुरा प्रभाव पड़ने से कर्ज बढ़ रहा है।

लोगों की बचत दर घटी है और देनदारियां बढ़ी है। महंगाई का असर तो रोजाना की खाद्य सामग्री और घरेलू उपयोग के सामान पर भी पड़ रहा है। तेल, घी, दाल, आटा, सब्जी की कीमतों पर कोई रोक न लगने से लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। भवन निर्माण सामग्री ईंट, मौरंग, बालू आदि पर 18 फीसदी जीएसटी लगने से मध्यम वर्ग के सिर पर छत भी नहीं पड़ने वाली है।

कल हापुड़ जाएगा समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल

समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमण्डल दिनांक 23 सितम्बर को हापुड़ जायेगा। हापुड़ के ग्राम दौलतपुर ढिकरी में तीन सितंबर को सैनी समाज के लोगों के घर में लगी आग से 4 लोगों की जलकर दर्दनाक मौत हो गयी थी। घटना की सही जानकारी और शोकाकुल परिवार से मिलने प्रदेश सचिव सुधाकर कश्यप, असलम चौधरी पूर्व विधायक, राकेश यादव प्रदेश सचिव आदि जाएंगे।

हम लोग इवेंट के पीएम नहीं : तेजस्वी यादव

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव लगातार रोजगार के मुद्दे पर न सिर्फ केंद्र सरकार को घेरते हैं बल्कि बताते भी हैं कि प्रदेश में कितनी नौकरियां दी जा रही हैं। महागठबंधन की सरकार लगातार नियुक्ति पत्र भी बांट रही है। हालांकि कई नियुक्ति पत्रों पर बीजेपी सवाल भी उठा चुकी है कि वो भर्तियां एनडीए सरकार के समय की थीं जिसकी अब वाहवाही लूटी जा रही है। इन सबके बीच एक बार फिर तेजस्वी यादव ने शुक्रवार (22 सितंबर) को रोजगार के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर तंज कसा। पीएम का फुलफॉर्म भी लिखा। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शुक्रवार (22 सितंबर) की सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) पर नौकरियों के मुद्दे पर ट्वीट करते हुए लिखा- बिहार में शिक्षक बहाली के दूसरे चरण में 70,000 शिक्षकों की नियुक्ति होगी। प्रथम चरण में 1,70,461 से अधिक शिक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा का आयोजन किया जा चुका है। हम लोग इवेंट के पीएम (प्राइम मैनेजर) नहीं बल्कि जो कहते हैं उसे धरातल पर उतारते हैं, बिहार में बहार, नौकरियां अपार!

लोकतंत्र की हत्या को बर्दाश्त नहीं करेंगे : राहुल गांधी

कांग्रेस ने शेयर की नॉर्वे वाली क्लिप

» 'दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक विकास में शामिल नहीं'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नॉर्वे के ओस्लो विश्वविद्यालय में एक संबोधन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी गुट भारत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को भारत के संस्थानों पर कब्जा नहीं करने देगा और लोकतंत्र की हत्या को भी बर्दाश्त नहीं करेगा। दरअसल इस महीने की शुरुआत में राहुल गांधी नॉर्वे गए थे उसी दौरान की एक क्लिप कांग्रेस ने शेयर की। क्लिप के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा, उस गठबंधन में हर एक व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, इस बात पर सहमत है कि हम भारतीय लोकतंत्र की हत्या को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दूसरा, हर एक व्यक्ति का विचार है कि हम आरएसएस को हमारे संस्थागत ढांचे पर कब्जा नहीं करने देंगे, राहुल ने ये भी आरोप लगाया कि भारत में 2-3 बिजनेस घरानों का एकाधिकार है और पिछले नौ सालों में 200 मिलियन से अधिक लोग गरीबी में चले गए हैं।

इसके अलावा राहुल गांधी ने माना है कि महागठबंधन इंडिया में कई राज्यों में मतभेद हैं। केरल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की वामपंथियों के साथ पूरी लड़ाई है, लेकिन लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि दक्षिणी राज्य में बीजेपी कभी भी सत्ता में न रहे। वहीं कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां पर थोड़ी मुश्किलें हैं। उन्होंने कहा, बंगाल में से बिल्कुल साफ है कि बीजेपी के खिलाफ खड़ा होना फायदेमंद होगा। क्या हम इसे हासिल कर सकते हैं? शायद मैं अभी आपको बता नहीं सकता। राहुल ने कहा, तीसरी बात, हम सभी सहमत हैं कि सरकार को स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा पर अधिक खर्च करना चाहिए और इसमें खुद को शामिल करना चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक के कुछ समूह हैं जो भारत की विकास कहानी में शामिल नहीं हैं।

संगठन का चुनाव इस बार होगा ऑनलाइन : युवक कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश युवक कांग्रेस का संगठनात्मक चुनाव इस बार ऑनलाइन होगा। यह एक नयी परंपरा होगी। इसकी शुरुआत बृहस्पतिवार को प्रदेश कार्यालय से हो गई है। प्रदेश युवक कांग्रेस के तीन प्रदेश अध्यक्ष चुने जाएंगे। ये पश्चिम, मध्य और पूर्वांचल के होंगे। इसी तरह प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष एवं विधानसभा क्षेत्रवार अध्यक्ष चुने जाएंगे।

50 रुपये जमा कर आनलाइन सदस्यता देने वाले इन चार पदों के लिए आनलाइन ही मतदान करेंगे। विभिन्न पदों के लिए वही नामांकन कर सकेगा, जिसे तीन साल के कामकाज के आधार पर अच्छा कार्यकर्ता के रूप में चुना गया हो। नामांकन 22 सितंबर से शुरू होगा और 30 को नामांकन पर आपत्ति और पांच अक्तूबर को उम्मीदवारों को सीरियल नंबर आवंटित किए जाएंगे। नवंबर तक सदस्यता अभियान चलाने के बाद मतदान की तिथि तय होगी। चुनाव अभियान के लिए प्रदेश कार्यालय में विद आईवीसी एप लांच किया गया है।

महिला आरक्षण बिल एक बेहतरीन कदम : मुफ्ती

» महिलाओं की चुनौतियों को देखते हुए यह बिल लाने का सही समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। पीपुल्स डेमोक्रटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने महिला आरक्षण विधेयक को संसद में चर्चा के लिए मंजूरी देने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले का स्वागत किया और इसे एक महान कदम बताया। मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, मुख्य रूप से पुरुष राजनीतिक परिदृश्य के कठिन इलाके को पार करने के बाद, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि आखिरकार महिला आरक्षण विधेयक एक वास्तविकता बन जाएगा। आबादी का आधा हिस्सा होने के बावजूद, हमारा प्रतिनिधित्व बहुत कम है।

यह एक महान कदम है। मुफ्ती ने कहा कि संसद में विधेयक पारित होने में कभी देर नहीं हुई क्योंकि पुरुष-प्रधान राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, यह एक अच्छा कदम है। देर से ही सही, लेकिन कभी भी देर नहीं हुई। मैं खुद एक महिला होने के नाते बहुत कुछ झेल चुकी हूं और आपको पुरुष-प्रधान राजनीतिक परिदृश्य में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि राज्य विधानसभा हो या संसद, निर्णय पटल पर महिलाओं को जगह मिले। देश भर में महिलाओं को जिन चुनौतियों, अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें देखते हुए मुझे लगता है कि यह बिल लाने का सही समय है।

केजरीवाल के काम से भाजपा परेशान : मेयर

» सरकार से एमसीडी को मिल रहा पर्याप्त फंड : डॉ. शैली ओबरॉय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि केजरीवाल सरकार से एमसीडी को पर्याप्त फंड मिल रहा है। जबकि भाजपा ने मेयर का विरोध किया। वहीं मेयर ने कहा कि एमसीडी में हो रहे ऐतिहासिक काम से भाजपा परेशान है। दिल्ली में केजरीवाल सरकार की तर्ज पर ही अब एमसीडी के स्कूलों को बनाने का काम शुरू हो गया है। अब जल्द एमसीडी की ओर से खाली पड़े पदों पर भर्तियां की जाएगी। वह दक्षिणी क्षेत्र के पुष्प विहार सेक्टर-1 स्कूल में आयोजित विज्ञान मेले में बोल रही थी। इस दौरान मेयर ने शिक्षकों को सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर मेयर ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा एक सफल विद्यार्थी के लिए एक जरूरी बुनियाद है। एमसीडी के शिक्षक छात्रों को अपनी कड़ी मेहनत से हमारी संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों की शिक्षा दे रहे हैं। वह स्वयं भी एक शिक्षक रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार शिक्षा पर बहुत जोर दे रही है क्योंकि उनका मानना है कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है। देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाया जा सकता है। इसी क्रम में कार्य करते हुए निगम विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षण के लिए आईआईएम जैसे उत्कृष्ट संस्थान में भेजा गया है। मेयर ने पश्चिमी जोन के वार्ड 97 चौखंडी नगर और वार्ड नंबर 102 ख्याला से संबंधित मुद्दों के समाधान को लेकर पार्षदों और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर मेयर ने कहा कि बैठक का उद्देश्य वार्ड के स्थानीय मुद्दों को समझना, वार्ड के पार्षदों के साथ प्रमुख समस्याओं पर चर्चा करना और उनका सामूहिक रूप से हल करना है। उन्होंने कहा कि एमसीडी के स्कूलों में अब बच्चों को जमीन पर नहीं बैठना पड़ेगा। सभी स्कूलों में डेस्क और चेयर लगाई जाएंगी। एमसीडी के 800 स्कूलों में डेस्क लगाने की शुरुआत हो चुकी है। स्कूलों में डेस्क-कुर्सी लगाने का काम अक्तूबर के पहले सप्ताह में पूर्ण हो जाएगा।

एलजी ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के डीएम हेमंत कुमार को हटाया

बामनोली गांव में एक जमीन मालिक को लाभ पहुंचाने के मामले में जिला मजिस्ट्रेट (दक्षिण-पश्चिम) हेमंत कुमार को पद से हटा दिया गया है। उपराज्यपाल ने डीएम के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को सूचना भेजी है। साथ ही आगे की जांच के लिए मामला सीबीआई को भेजने की मंजूरी भी दे दी। हेमंत पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से अधिग्रहित की जा रही 19 एकड़ भूमि के लिए तय हुए मुआवजे को खारिज कर दिया। इस कारण जमीन के दाम बढ़ गए। एलजी के निर्देश पर सेवा विभाग ने हेमंत को हटाकर विशेष सचिव (एआर) बनाया है। उनकी जगह लक्ष्य सिंघल को दक्षिण-पश्चिम जिले का डीएम बनाया गया है।

महिला आरक्षण बिल राजनीतिक हथियार या सामाजिक सरोकार!

बिल का लाभ निचले तबके की महिलाओं तक पहुंचे

लोकसभा में बिल पास, 454 सांसद पक्ष में और 2 बिल के खिलाफ

» बीजेपी बोली महिलाओं का बढ़ेगा और कद

» कांग्रेस बोली जल्द लागू करें, पिछड़ों को भी मिले कोटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीखी बहस व हंगामे के बाद महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पास हो गया। अब लोक सभा व राज्य विधान सभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत मिलेगा। हालांकि तकनीकि रूप से ये लाभ 2029 तक ही मिल पाएगा ऐसा इसलिए क्योंकि अभी जनगणना व परिसीमन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इन सब प्रक्रियाओं के बाद ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम बन पाएगा। अभी फिलहाल इस बिल पर राज्य सभा में चर्चा हो रही हालांकि वहां भी यह आसानी से पास हो जाएगा उसके इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा वहां से पास होने के बाद यह कानूनी शक्ल ले लेगा। इस बिल के कुछ प्रावधानों को लेकर विपक्ष मोदी सरकार पर हमलावर है। सबसे बड़ी सभी विपक्षी यही कह रहे हैं इस बिल भाजपा सरकार ऐसे समय में ला रही है जबकि लोक सभा के चुनाव होने है ऐसे में यह बिल पास हो भी गए तो 2024 लोक सभा चुनाव इसका लाभ नहीं मिल पाएगा। ऐसे में विपक्ष ने मोदी सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए इसे मात्र जुमला बता कर केंद्र को घेरने का प्रयास किया है।

वहीं सपा, राजद, ओवैसी की पार्टी ने पिछड़ों व मुस्लिमों को भी कोटा देने की मांग कर बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए इसे महिलाओं के साथ छल बताया है। पर सत्ता पार्टी इस पर विपक्ष को घेर लिया है। हालांकि जानकारों की माने तो पिछड़ों को कोटा मांगने के पीछे इन दलों का यह तर्क उचित है इसका लाभ ज्यादातर सवर्ण वर्ग या रसूखदार परिवार की महिलाएं उठा लेंगी। दरअसल वर्तमान सांसदों में 78 में से 32 महिला सांसद नेताओं के परिवार से हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में 78 महिलाएं चुनकर लोकसभा पहुंचीं। राज्यसभा में 24 महिला सांसद हैं। इससे पहले महिला आरक्षण बिल 27 साल के लंबे इंतजार के बाद लोकसभा में पेश किया गया है। 18 सितंबर को मोदी कैबिनेट ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया था। सरकार अगर महिला आरक्षण बिल को विशेष सत्र में पास कराती है, तो साल 2024 से पहले लोकसभा सीटों का समीकरण बदल सकता है। ऐसे में लोकसभा की कुल 543 में से करीब 180 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल है कि क्या इन सीटों से आम महिलाएं चुनकर संसद पहुंच पाएंगी? क्योंकि, वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं सांसदों को लेकर जो डेटा है, वो हैरान करने वाला है। 2021 में संसदीय कार्य मंत्रालय ने एक रिपोर्ट जारी कर कहा कि लोकसभा में 78 महिलाएं सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में यह आंकड़ा 24 का है। एडीआर के मुताबिक देश में करीब 4300 विधानसभा सीटें हैं, जिसमें महिला विधायकों की संख्या सिर्फ 340 के आसपास है। संसदीय कार्य मंत्रालय के मुताबिक महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने की जिम्मेदारी कानून और गृह मंत्रलाय पर है, जो आरक्षण लागू कर ही किया जा सकता है, मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय कैबिनेट में महिलाओं की हिस्सेदारी न बढ़ने के पीछे प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार होना है।

नेता की पत्नी या बेटियों का लोकसभा में दबदबा

लोकसभा में अभी 78 महिला सांसद हैं, लेकिन इनमें से 32 सांसद या तो नेताओं की पत्नी हैं या नेता पुत्री , राज्यसभा में भी नेताओं के परिवार का दबदबा है। पश्चिम बंगाल से सबसे अधिक महिला सांसद हैं, लेकिन वहां फिल्म अभिनेत्रियों का दबदबा है।

यूपी से 11 महिला सांसद, 2 तो गांधी परिवार की बहू

2019 के चुनाव में उत्तर प्रदेश से 11 महिला जीतकर लोकसभा पहुंचीं। इनमें 2 गांधी परिवार की बहुएं शामिल हैं। रायबरेली से राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी और सुल्तानपुर सीट से संजय गांधी की पत्नी मेनका गांधी सांसद हैं। इसी तरह हेमवती नंदन बहुगुणा की बेटी रीता बहुगुणा प्रयागराज सीट से सांसद हैं, स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा बदायूं और पूर्व विधायक आजाद अरी की पत्नी संगीता आजाद लालगंज सीट से सांसद हैं।

बिहार में तीन महिला सांसद, तीनों नेताओं की पत्नी

बिहार से 3 महिला सांसद हैं, लेकिन तीनों नेता की पत्नी हैं, वैशाली सीट से रालोजपा सांसद वीणा सिंह के पति दिनेश सिंह की गिनती दिग्गज नेताओं में होती है, इसी तरह सीवान सांसद कविता सिंह के पति अजय सिंह भी राजनीति में पहले से सक्रिय हैं। सीवान में अजय सिंह की राजनीति सक्रियता देखते हुए ही जेडीयू ने 2019 में कविता को टिकट दिया था। शिवहर से रमा देवी का राजनीतिक बैकग्राउंड भी पारिवारिक हैं। रमा देवी के पति बृज बिहारी प्रसाद लालू सरकार में मंत्री थे। 2019 में कोडरमा से बीजेपी टिकट पर अन्नपूर्णा देवी और कांग्रेस टिकट पर सिंहभूम से गीता कोरा ने 2019 में जीत दर्ज की थी। अन्नपूर्णा देवी अभी केंद्र में मंत्री भी हैं, अन्नपूर्णा देवी को राजनीति विरासत अपने पति रमेश यादव से मिली हैं। यादव संयुक्त बिहार में कोडरमा से विधायक थे। इसी तरह गीता कोरा के पति मधु कोरा झारखंड के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, कोरा अभी भी राजनीति में सक्रिय हैं।

महाराष्ट्र में नेता पुत्रियों को तरजीह

48 सीटों वाली महाराष्ट्र से 8 सांसद महिला हैं, इनमें 4 नेताओं की पुत्री और 2 नेताओं की बहुएं हैं, सुप्रिया सुले, प्रीतमा मुंडे, पूनम महाजन और हीना गावित महाराष्ट्र के दिग्गज नेताओं की बेटियां हैं, इसी तरह रक्षा खडसे और भारती पंवार को ससुर की विरासत मिली है। सुप्रिया सुले के पिता शरद पवार एनसीपी के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं, प्रीतमा मुंडे के पिता गोपीनाथ मुंडे भी बड़े राजनेता थे, पूनम महाजन को प्रमोद महाजन की राजनीति विरासत मिली है, हिना के

पिता विजय गावित की भी गिनती महाराष्ट्र के दिग्गज नेताओं में होती थी। वहीं भारती पंवार के ससुर अर्जुन पंवार विलासराव देशमुख सरकार में मंत्री थे, रक्षा खडसे के ससुर एकनाथ खडसे भी महाराष्ट्र के मंत्री रह चुके हैं।

कार्यकर्ताओं के हक पर अभिनेत्रियों का वीटो

ममता बनर्जी ने बंगाल में लोकसभा चुनाव के समय 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देने की घोषणा की थी, लेकिन कार्यकर्ताओं के नाम पर अधिकांश अभिनेत्रियों को चुनाव के रण में उतार दिया गया। बंगाल से 11 महिला सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचीं, जिसमें से 4 सांसद फिल्मी बैकग्राउंड से हैं। नुसरत जहां, मिमी चक्रवर्ती और शताब्दी रॉय तृणमूल से जबकि लॉकेट चटर्जी बीजेपी से सांसद हैं। तृणमूल ने अर्पिता घोष, मूनमून सेन और देव

को भी टिकट दिया था, लेकिन ये सभी जीत नहीं पाए। इतना ही नहीं, यूपी के मथुरा सीट से हेमा मालिनी और चंडीगढ़ सीट से सांसद किरण खेर भी एंट्री फिल्मी दुनिया से ही हुई है।

इन राज्यो की स्थिति काफी खराब

मध्य प्रदेश के सीधी से सांसद रीती पाठक और शहडोल से सांसद हिमाद्री सिंह को भी राजनीति विरासत में मिली है, छत्तीसगढ़ के कोरबा से ज्योतसना महंत के पति चरणदास महंत वर्तमान में विधानसभा के स्पीकर हैं,राजस्थान के भरतपुर से सांसद रंजीता कोली के ससुर गंगाराम कोली सांसद रह चुके हैं, तमिलनाडु के थोटुकुडी सीट से सांसद कनिमोझी करुणानीधि की बेटी है। कनिमोझी के भाई एमके स्टालिन अभी राज्य के मुख्यमंत्री हैं, मेघालय के सांसद अगाथा संगमा के भाई भी वर्तमान में मुख्यमंत्री हैं, पंजाब के पटियाला से सांसद परिणित कौर के पति कैप्टन अमरिंदर सिंह भी मुख्यमंत्री रह चुके हैं। आंध्र के सांसद गोतेदी माधवी के पिता भी बड़े कम्युनिष्ट नेता थे, पूर्व मंत्री अनिल भाई पटेल की पत्नी शारदबेन पटेल गुजरात के मेहसाणा से सांसद हैं।

बीजेपी के 10 और कांग्रेस के 4 मुख्यमंत्री, एक भी महिला नहीं

महिला आरक्षण का बीजेपी के साथ ही कांग्रेस ने भी खुलकर समर्थन किया है, लेकिन दिलचस्प बात है कि दोनों पार्टियों की ओर से शीर्ष पद पर महिलाओं को ज्यादा तवज्जों नहीं दी गई है। देश में बीजेपी की 10 राज्यों में सरकार है, लेकिन एक भी राज्य में महिला मुख्यमंत्री नहीं हैं। यूपी में योगी आदित्यनाथ, गुजरात में भूपेंद्र पटेल, उत्तराखंड में पुष्कर धामी, असम में हिमंत बिस्व शरमा, हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर, अरुणाचल में पेमा खांडू, त्रिपुरा में मणिक साहा और मणिपुर में एन बीरेन सिंह सत्ता के शीर्ष पद पर काबिज हैं। इसी तरह देश में कांग्रेस की सत्ता 4 राज्यों में है। राजस्थान में अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल, हिमाचल में सुखविंदर सुक्खू और कर्नाटक में सिद्धारमैया मुख्यमंत्री हैं। आम आदमी पार्टी की भी 2 राज्य में सरकार है, लेकिन पार्टी ने किसी भी राज्य में महिला को मुख्यमंत्री नहीं बनाया है।

दलों में आरक्षण देकर बढ़ाया महिला नेतृत्व

संसद में जारी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के बीच पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च ने नई रिपोर्ट में बताया कि कई देशों ने महिलाओं को राजनीतिक दलों में भी आरक्षण देकर महिला नेतृत्व बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार, नॉर्वे में 46 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका में 45, ऑस्ट्रेलिया में 38 और फ्रांस व जर्मनी में 35 प्रतिशत जनप्रतिनिधि महिलाएं हैं। इन देशों ने यह अनुपात संसद में आरक्षण देकर नहीं, बल्कि कुछ राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को चुनाव के समय उम्मीदवारी में आरक्षण देकर हासिल किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि बांग्लादेश ने संसद की 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की हैं, लेकिन यहां 300 में से 21 प्रतिशत सांसद ही महिलाएं हैं। यह भी दावा किया गया कि महिलाओं को संसद में आरक्षण देने से मतदाताओं के लिए चुनाव में विकल्प सीमित हो जाते हैं। इसी वजह से विशेषज्ञों का सुझाव है कि राजनीतिक दलों के भीतर ही महिला आरक्षण देना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा धन्यवाद

विशेष सत्र के तीसरे दिन, लोकसभा के 454 सांसदों ने बिल के पक्ष में और 2 सांसदों ने बिल के खिलाफ वोट किया। विधेयक पारित किए जाने के दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि इस अभूतपूर्व समर्थन के साथ बिल पारित होने पर खुशी हुई। मैं सभी पार्टियों के सांसदों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने इस विधेयक के समर्थन में मतदान किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कनाडा ने खुद बिगाड़ दिया माहौल

खुद ट्रूडो के बयान के मुताबिक वहां की एजेंसियां अभी इस मामले की जांच ही कर रही हैं। जब जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है तो फिर उस आधार पर कोई नतीजा भी नहीं निकाला जा सकता। शायद इसीलिए ट्रूडो ने आरोपों को ही विश्वसनीय बता दिया। ये आरोप कनाडा के खालिस्तानी तत्व शुरू से लगा रहे हैं, लेकिन कोई सबूत नहीं दे पा रहे। बावजूद इसके, खुद कनाडाई प्रधानमंत्री ने इस हत्या के सिलसिले में भारत का नाम ले लिया।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के हालिया बयान के बाद भारत के संबंध इस देश से बिगड़ गए हैं। बात इतनी बिगड़ी कि भारत ने कनाडा के लागों के लिए वीजा तक सस्पेंड कर दिया है। ये पूरा मामला पीए ट्रूडो उस बयान के बाद गरमा गया जिसमें उन्होंने वहां संसद में आरोप लगाया है कि खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ है। इस बयान के बाद भारत सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कनाडा के राजनयिक को स्वदेश रवाना कर दिया। सबसे अच्छी बात ये रही इस मुद्दे पर कांग्रेस ने भी मोदी सरकार का साथ दिया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के वहां की संसद में दिए गए ताजा बयान दोनों देशों के पहले से बिगड़ते रिश्तों को और बदतर ही बनाएंगे। उनका यह आरोप लगाना सचमुच अजीब है कि जून महीने में ब्रिटिश कोलंबिया में हुए एक खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ होने के 'विश्वसनीय आरोप' हैं। खुद ट्रूडो के बयान के मुताबिक वहां की एजेंसियां अभी इस मामले की जांच ही कर रही हैं। जब जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है तो फिर उस आधार पर कोई नतीजा भी नहीं निकाला जा सकता। शायद इसीलिए ट्रूडो ने आरोपों को ही विश्वसनीय बता दिया। ये आरोप कनाडा के खालिस्तानी तत्व शुरू से लगा रहे हैं, लेकिन कोई सबूत नहीं दे पा रहे। बावजूद इसके, खुद कनाडाई प्रधानमंत्री ने इस हत्या के सिलसिले में भारत का नाम ले लिया। भारत ने ठीक ही इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। लेकिन ट्रूडो ने कोई पहली बार इस तरह का गैरजिम्मेदार रवैया नहीं दिखाया है। पिछले दिनों जी-20 की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान भी उनके रुख से यही संकेत मिला कि वह कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों की हरकतों को गंभीरता से नहीं लेते। उन्होंने जहां खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों को अपने नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा करार दिया, वहीं यह भी कहा कि वे किसी देश को इस मामले में दखलंदाजी नहीं करने देंगे। साफ है कि भारत की संप्रभुता और इसकी एकता-अखंडता जैसे महत्वपूर्ण मसले का वह अन्य मुद्दों से घालमेल कर रहे हैं। इससे पहले 2020 में भारत में हो रहे किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान भी उन्होंने बेवजह ही किसान आंदोलन का समर्थन कर भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का प्रयास किया था। हालांकि कुछ जानकार ट्रूडो के इस रवैये के पीछे उनकी चुनावी राजनीति की मजबूरियां गिनाते हैं। संसद में दिए उनके ताजा बयान को भी फूड इन्फ्लेशन और हाउसिंग संकट के कारण घरेलू मोर्चे पर बढ़ती उनकी मुश्किलों से जोड़कर देखा जा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शिखर सम्मेलन से विदेशी नीति को नये आयाम

जी. पार्थसारथी

एक ऐसे सम्मेलन की मेजबानी, जिसका मंतव्य वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना करना और भागीदार विश्व की अग्रणी आर्थिक ताकत के तौर पर 19 देश हों, तिस पर, हर कोई न सिर्फ एक शक्ति है बल्कि कई मुद्दों पर जिनके विचार धुर-विरोधी हैं, इस स्तर का आयोजन आसान काम नहीं है। पर भारत ने यह काम बहुत उम्दा कर दिखाया और नई दिल्ली के जी-20 शिखर सम्मेलन में परिणाम मिले। शायद कइयों को नतीजों पर या सम्मेलन संचालन पर आलोचनाएं करने का अवसर मिलने की आस थी। परंतु भारत की कथित कमियां निकालने पर आमादा चीनी मीडिया के निरंतर आलोचना अभियान के अलावा नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के संचालन या निर्णयों को व्यापक अंतर्राष्ट्रीय सहमति और समर्थन मिला है।

रूस के साथ युद्धरत यूक्रेन द्वारा सम्मेलन-घोषणापत्र की आलोचना पूर्वानुमानित थी। विदेश मंत्री जयशंकर और उनकी टीम ने खासा वक्त और मेहनत लगाकर सुनिश्चित किया कि सम्मेलन-प्रस्ताव अमेरिका, रूस और चीन और बृहद अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को स्वीकार्य हो। भारत की लीक रही कि संवेदनशील मुद्दों पर निरोल राजनीतिक कारणों से आलोचनात्मक रुख रखने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। रोचक कि पाकिस्तान के प्रभावशाली और जिम्मेवार मीडिया के एक वर्ग ने भी नई दिल्ली में चली गतिविधियों की तारीफ की है। कराची स्थित शिक्षाविद् डॉ. मुनीस अहमर ने कहा 'पिछले दो दशकों में वैश्विक अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले भारत के लिए जी-20 का सफल आयोजन एक अन्य उपलब्धि है। जी-20 सम्मेलन की कथित खामियां खोजने की बजाय यह वह सबक है, जो पाकिस्तान को भारत से सीखना चाहिए।'

सम्मेलन के समक्ष सबसे विवादास्पद मुद्दा यूकेन-रूस युद्ध था, क्योंकि फिलहाल रूस-चीन और पश्चिमी जगत धुर विरोधी हैं। इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच जो पाट है, उस पर पुल बांधने की कोई गुंजाइश नहीं लगती थी। यह भी स्पष्ट था कि पश्चिमी मुल्क रूस की निंदा करवाकर नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे और रूस-चीन एवं कई अन्य देश इसका पुरजोर प्रतिरोध। वैसे भी, यूक्रेन के दक्षिणी समुद्र तट पर स्थित क्रीमिया पर रूस के दावे के पीछे तर्क लगता है क्योंकि 1783 से, जारशाही द्वारा जीते जाने के बाद से, यह रूसी साम्राज्य का हिस्सा रहा। इसके अलावा, सदियों से क्रीमिया में रूस का दक्षिणी नौसैन्य बेड़े का अड्डा है। वर्ष 1954 में मुख्यत: प्रशासनिक कारणों से इसको सोवियत संघ का हिस्सा रहे यूक्रेन गणराज्य

को सौंप दिया गया। ऐतिहासिक रूप से क्रीमिया आजाद यूक्रेन का हिस्सा नहीं रहा। क्रीमिया पर रूस का दावा जायज लगता है, यूक्रेनी सरकार से जिस प्रकार का संबंध दक्षिणी हिस्से में बसे रूसी बहुल लोगों का है, उसी तर्ज पर दोनों पक्षों को स्वीकार्य एक व्यावहारिक प्रबंधन व्यवस्था बनाने की जरूरत है। जाहिर है दक्षिण यूक्रेन के इलाकाई विवाद का सैन्य हल नहीं हो सकता, यह उपाय यूक्रेन की सार्वभौमिकता का आदर करते हुए और वहां बसे रूसी भाषी लोगों के हक सुनिश्चित करके निकलेगा। यूक्रेन मुद्दे पर सर्वसम्मति बनाने में भारतीय राजनयिकों की मुख्य भूमिका अहम रही। भारत के फार्मूले में किसी मुल्क की आलोचना करने से बचा गया और परमाणु अस्त्रों के प्रयोग से इतर अंतर्राष्ट्रीय मानववादी कानून के सिद्धांत को सर्वोच्च रखने का आह्वान किया गया। हालांकि सम्मेलन द्वारा स्वीकार किए गए भारतीय प्रस्ताव की आलोचना यूक्रेन ने की है। परंतु जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज का कहना है कि भारतीय मसौदे में इस बात पर जोर रहना कि हिंसा प्रयोग से मुल्कों की क्षेत्रीय अखंडता भंग नहीं की जानी चाहिए, एक सुस्पष्ट स्थिति है। अलबत्ता रूस ने भारत द्वारा तैयार प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन किया और बाइडेन प्रशासन का भी समर्थन मिला।

यूक्रेन युद्ध का सबसे बुरा असर उन समुद्री मार्गों का बंद होना है, जिससे होकर रूस और यूक्रेन का गेहूं अफ्रीकी देशों को पहुंचता है। तनाव बढ़ने के साथ, रूस ने काला सागर खाद्यान्न समझौते के अंतर्गत अफ्रीकी मुल्कों को अनाज और खाद की आपूर्ति से हाथ खींच लिया, जबकि उन्हें इसकी सख्त जरूरत है। जरूरतमंद देशों तक खाद्यान्न पहुंचाने के लिए आवागमन गलियारा तुरंत बहाल करने के लिए बैठक में जोरदार मांग उठी। उम्मीद है रूस और यूक्रेन इस मांग का आदर करेंगे। जी-20 नेतृत्व, जिनके हाथ में विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 85 फीसदी है, इस बिंदु पर अडिग हैं कि परमाणु हथियारों का प्रयोग या करने की धमकी देना सिरे से अस्वीकार्य है।

जी-20 शिखर सम्मेलन वार्ता का ध्यान मुख्यत: अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय और आर्थिक विषयों पर केंद्रित रहा। नई दिल्ली सम्मेलन में भी यह विमर्श आगे बढ़ा। यूरोपियन यूनियन ने सऊदी अरब, यूएई, भारत, जर्मनी, इटली, फ्रांस और अमेरिका को साथ लेकर, भारत-मध्य एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) बनाने की पहल की है। यह परियोजना बेहतर संपर्क और आर्थिक एकीकरण के साथ एशिया, अरब की खाड़ी और यूरोपियन मुल्कों के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

फैसले से किसानों व पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

पंजाब और हरियाणा में पर्यावरण हितैषी सीधी बिजाई धान को प्रोत्साहन देने के लिए सरकारी खरीद समय रहते करना चाहिए। किसानों का कहना है कि केन्द्र सरकार द्वारा पहली अक्टूबर से धान की सरकारी खरीद शुरू करने का फैसला अव्यावहारिक है। जो प्रदेश सरकार द्वारा प्रोत्साहन देने वाली भूजल बचत व पर्यावरण हितैषी सीधी बिजाई धान के हित में नहीं है।

पिछले कुछ वर्षों से, भूजल संरक्षण के लिए हरियाणा और पंजाब सरकार कम अवधि वाली धान किस्मों (पीआर-126 आदि) के साथ सीधी बिजाई धान तकनीक को प्रोत्साहन देती रही है। जिसे हरियाणा के किसानों ने इस वर्ष खरीफ-2023 सीजन में तीन लाख एकड़ से ज्यादा यानी लगभग आठ प्रतिशत धान क्षेत्र पर सफलतापूर्वक अपनाया है, जिसमें धान की बुआई 20 मई से 15 जून तक अनुशंसित की जाती है और जल्दी पकने वाली पीआर-126 आदि किस्में लगभग 115 दिन में पक कर 20 सितम्बर तक मंडियों में बिकने के लिए आ जाती है। लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा पहली अक्तूबर से धान की सरकारी खरीद शुरू करने के अव्यावहारिक फैसले के कारण, किसानों को मजबूरन समर्थन मूल्य से कम पर, अपनी फसल उपज बिचौलियों को बेचनी पड़ती है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होता है।

धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध हरियाणा के करनाल जिले की अनाज मंडियों में पिछले वर्षों की भांति, इस वर्ष भी 17 सितम्बर, 2023 तक 32,000 क्विंटल से ज्यादा धान उपज पहुंच चुकी है और पंजाब-हरियाणा राज्यों में 30 सितम्बर तक सीधी बिजाई विधि से बोयी गई जल्दी पकने वाली सभी धान किस्मों की कटाई हो जाने की संभावना है, जिसकी वजह से किसानों को घोषित समर्थन मूल्य 2203 रुपये प्रति किवंटल की बजाय अपनी धान उपज लगभग 1800 रुपये प्रति क्विंटल पर मजबूरन बेचनी पड़ रही है। जिससे किसानों को दस-बारह हजार रुपये प्रति एकड़ का भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर भ्रष्ट बिचौलिये व आढ़ती इस धान उपज को कुछ दिन बाद शुरू होनी वाली सरकारी खरीद में दिखाकर, करोड़ों रुपये का चूना सरकार को लगायेंगे। जिससे देश में कालाबाजारी बढ़ेगी। इसके अलावा बिचौलियों और आढ़तियों की मिलीभगत वाली गैर-कानूनी समानांतर अर्थव्यवस्था बनती जा रही है।

रोपाई धान भूजल बर्बादी के लिए बदनाम रही है। इसीलिये सरकार, एक-तिहाई लागत, भूजल, ऊर्जा, लेबर बचत वाली तथा ग्रीन हाउस गैसें उत्सर्जन कम करने वाली सीधी बिजाई धान तकनीक को प्रोत्साहन दे रही है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार की वेबसाइट के अनुसार, वर्ष 2022 में किसानों ने 72 हजार एकड़ कृषि भूमि पर सीधी बिजाई धान उगाकर 31500 करोड़ लीटर भूजल की बचत की है। यानी प्रदेश के कुल धान क्षेत्र 36-38 एकड़ पर रोपाई धान की बजाय सीधी बिजाई धान उगाकर 14-16 बीसीएम भूजल वार्षिक की बचत हो सकती है! जिससे लगभग एक हजार करोड़ रुपये वार्षिक की कृषि उपयोग सब्सिडी वाली बिजली की भी बचत होगी।

महत्वपूर्ण तथ्य है कि सीधी बिजाई धान की फसल मध्य सितम्बर में पकने से पराली जलाने की घटनाएं और गंभीर वायु प्रदूषण में भी कमी आयेगी। इसकी वजह यह है कि धान फसल जल्दी पकने से किसानों को पराली संभालने के लिए ज्यादा समय मिलेगा। दरअसल, किसान धान कटाई और गेहूं की बुआई के बीच 40 दिन अंतराल के समय में हरी खाद के लिए ढैंचा आदि फसल भी ले सकते हैं। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने में मदद मिलेगी और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी। अत: किसान व पर्यावरण हित में धान की खरीद सितंबर के मध्य में तार्किक है।

निस्संदेह, धान की फसल हमारी खाद्य शृंखला व किसानों की आर्थिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। हरियाणा सरकार के डीएसआर-2023 पोर्टल के अनुसार, कपास बहुल सिरसा जिले में 74,000 एकड़ भूमि पर सीधी बिजाई धान की बुआई हुई है! प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तालिका के अनुसार, धान फसल किसानों को वार्षिक 101,190 रुपये प्रति हेक्टेयर शुद्ध लाभ देती है जो दूसरी खरीफ फसलों मक्का के मुकाबले दुगना लाभदायक है! जिससे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने भी प्रमाणित किया, जिसके चार संस्थानों द्वारा पंजाब और हरियाणा में फसल प्रणालियों के विविधीकरण पर जून-2021 में एक नीति पत्र लाया गया, जिसमें माना गया कि धान-गेहूं के मुकाबले किसानों को अन्य फसलों पर अपेक्षाकृत कम फायदा मिलता है! इसलिए फसल विविधीकरण आर्थिक तौर पर किसान हितैषी नहीं है और तकनीकी तौर पर अव्यावहारिक भी है क्योंकि खरीफ सीजन के वर्षा मौसम में शिवालिक हिमालय से लगते इन प्रदेशों में जलभराव एक गंभीर समस्या है। जिससे इन क्षेत्रों में मक्का, बाजरा, मूंग आदि फसलें उगाना ऊंचाई वाले कुछ क्षेत्र को छोड़कर लगभग असम्भव है। पंजाब और हरियाणा में जहां इस वर्ष जुलाई महीने में आयी बाढ़ आपदा से 6.87 लाख एकड़ धान फसल खराब होने से किसान पहले से ही परेशान हैं, वहीं सरकारी खरीद समय पर शुरू नहीं होने से उसकी मुसीबतें बढ़ी हैं।

जल महल

जल महल अपने में एक प्रसिद्ध जगह है। अक्सर लोग इसे दूर दूर से देखने आते हैं। सितंबर वीकेंड की छुट्टी मनाने के लिए यह एक अच्छी जगह हो सकती हैं। जल महल मान सागर झील के बीच में स्थित है। पांच मंजिला इस जल महल की सबसे खास बात ये है कि, इसका सिर्फ एक मंजिल ही पानी के ऊपर दिखता है जबकि बाकी के चार मंजिल पानी के नीचे हैं। जलमहल एक आवासीय संरचना के बजाय एक पिकनिक स्पॉट के रूप में बनाया गया था, इसलिए इसके अंदर कोई व्यक्तिगत कक्ष नहीं हैं। यह माना जाता है कि महल का निर्माण एक अकाल के दौरान हुआ था जब झील का बिस्तर पूरी तरह से सूख गया था।

जौहरी बाजार

जयपुर का जौहरी बाजार बेहद मशहूर है। आप यहां से गहनों की खरीदारी कर सकते हैं। यहां आपको कुंदन के गहने भी आसानी से मिल जाएंगे। जौहरी बाजार में कई सारी हैंड मेड चीजें मिलती हैं, आप अपने दोस्तों व भाई-बहनों के लिए यहां से शॉपिंग कर सकते हैं।

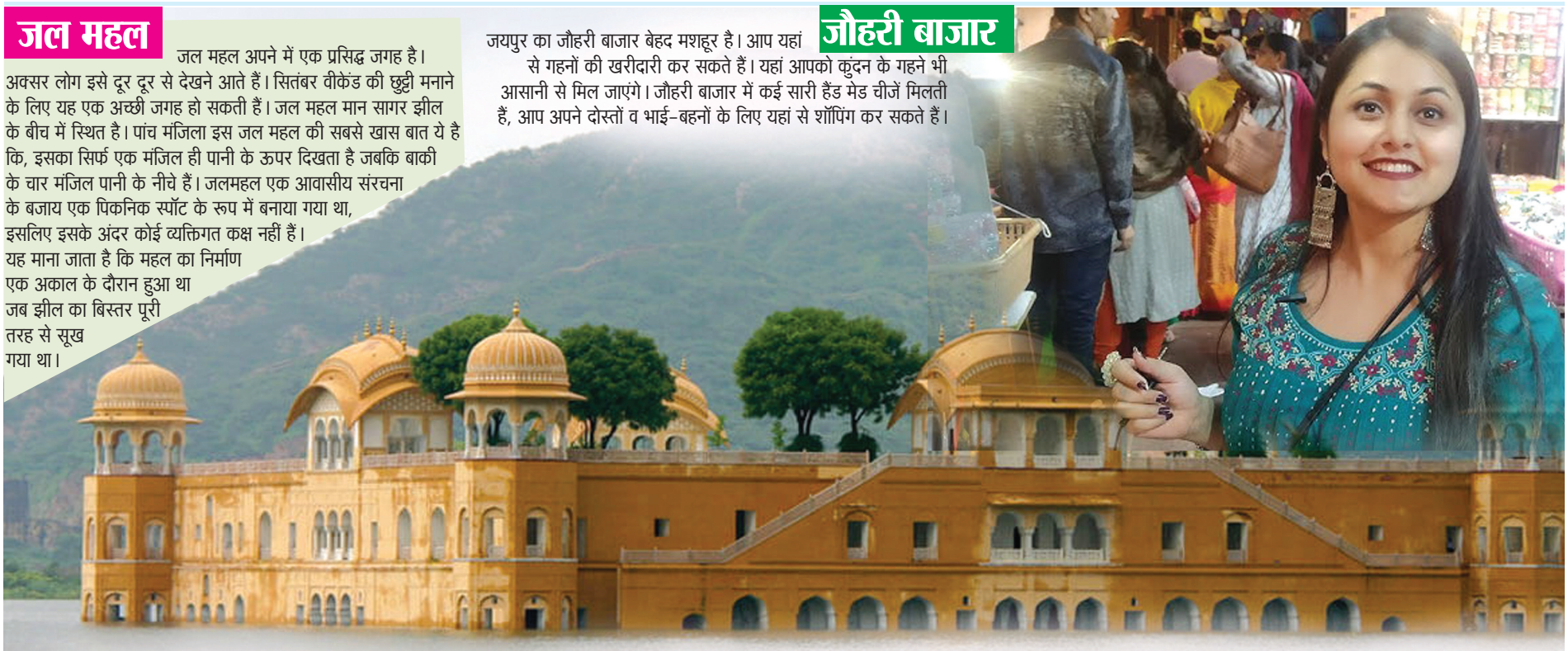

छुट्टियों में घूमने के लिए जाएं जयपुर

भारत एक ऐसा देश है जहां हर मौसम में आप घूमने जा सकते हैं। हर मौसम का अपना अलग मजा है। सितंबर में अधिक गर्मी न होने के कारण आप कहीं किले मकबरे जैसी जगहों पर घूमने जा सकते हैं। अक्सर काम की वजह से लोग परिवार के साथ कहीं बाहर नहीं जा पाते। लेकिन इस बार आपको एक साथ 5 छुट्टियां मनाने का मौका मिल रहा है, आप चाहें तो जयपुर घूमने जा सकते हैं। दरअसल, सितंबर के आखिरी सप्ताह में 5 दिनों की छुट्टियां होने वाली हैं। 28 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर के बीच आप 29 सितंबर को छुट्टी लेकर पूरे 5 दिन घूमने का लुत्फ उठा सकते हैं। आप जयपुर घूमने जा सकते हैं। इस दौरान वहां का मौसम और किले दोनों आपकी छुट्टी को यादगार बना सकते हैं। आप वहां की कुछ मशहूर जगहों की सैर कर सकते हैं।

जयगढ़ किला

जयपुर का जयगढ़ किला अपनी अद्भुत बनावट के लिए प्रसिद्ध है। इसे 1726 में सवाई जय सिंह द्वितीय द्वारा आमेर किले की सुरक्षा के लिए बनवाया गया था। इसकी बनावट अक्सर लोगों का मन मोह लेती है। खास बात ये है कि, यह इतना बड़ा है कि आप यहां परिवार के साथ या दोस्तों के साथ मिलकर खूब मस्ती कर सकते हैं। यह बेहद ही सुंदर जगह है।

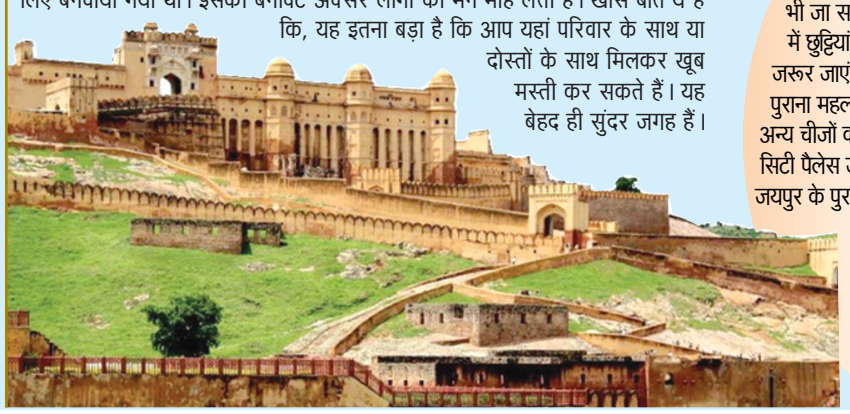

सिटी पैलेस

जयपुर में आप सिटी पैलेस घूमने भी जा सकते हैं। यदि आप शाही अंदाज में छुट्टियां मनाना चाहते हैं, तो यहां घूमने जरूर जाएं। जयपुर सिटी पैलेस 300 साल पुराना महल है। यहां आपको जयपुर से जुड़ी अन्य चीजों की जानकारी भी प्राप्त हो सकती हैं। सिटी पैलेस जयपुर, हवा महल और जंतर मंतर जयपुर के पुराने शहर में तीन मुख्य आकर्षण हैं। सिटी पैलेस को दो वास्तुकारों विद्याधर भट्टाचार्य और सर सैमुअल स्विंटन जैकब ने डिजाइन किया था।

हवा महल

जयपुर जाए और हवा महल ना देखें ऐसा हो ही नहीं सकता है। अगर आप जयपुर घूमने जाए, तो हवा महल जरूर देखें। इस महल की खूबसूरती आपका दिल जीत लेगी। हवा महल अपनी गुलाबी रंग की बालकनियों और जालीदार खिड़कियों के लिए पॉपुलर है। हवा महल का आकर्षण इसकी 953 खिड़कियां हैं। इस महल को शाही महिलाओं के लिए बनवाया गया था।

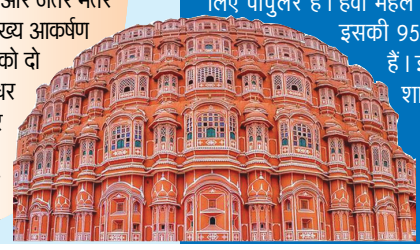

हंसना मना है

लड़का-कहां जा रही हो? लड़की- आत्महत्या करने। लड़का- तो इतना मेकअप क्यूं किया है? लड़की- अनपढ़, कल न्यूजपेपर में फोटो तो आएगी ना।

यात्री (अखबार पढ़ते- पढ़ते)- अरे भाई कुली, मुझे उस डिब्बे मैं बिठाना, जहां बाते करने वाला कोई न हो ताकि मैं अखबार पढ़ सकूं। कुली(बाबू जी) -आप चिन्ता न करें, मैं आपको माल गाड़ी के डिब्बे में बिठाऊंगा।

संता ने लड़की को प्रपोज किया- क्या तुम मुझसे शादी करोगी? लड़की-तमीज से बात करो। संता- बहन जी, क्या आप मुझसे शादी करेंगी?

संता पहली बार कपड़े की दुकान में काम करने गया। लड़की- जरा अंडरवेयर दिखाना। संता- जी, आज नहीं पहनी कल आना।

इश्क में ये अंजाम पाया है, हाथ पैर टूटे, मुंह से खून आया है! हॉस्पिटल पहुंचे तो नर्स ने फरमाया बहारों फूल बरसाओ, किसी का आशिक़ आया है!

प्रेमिका- तुम तो बस काम में लगे रहते हो! मेरी तो परवाह ही नहीं करते! प्रेमी- एक बात तुम गौर से सुन लो! प्यार करने वाले किसी की परवाह नहीं करते!

कहानी | प्रभु भोग का फल

एक सेठजी बड़े कंजूस थे। एक दिन दुकान पर बेटे को बैठा दिया और बोले कि बिना पैसा लिए किसी को कुछ मत देना, मैं अभी आया। अकस्मात एक संत आये जो अलग-अलग जगह से एक समय की भोजन सामग्री लेते थे। लड़के से कहा- बेटा जरा नमक दे दो। लड़के ने सन्त को डिब्बा खोल कर एक चम्मच नमक दिया। सेठजी आये तो देखा कि एक डिब्बा खुला पड़ा था। सेठजी ने कहा- क्या बेचा बेटा? बेटा बोला- एक सन्त, जो तालाब के किनारे रहते हैं, उनको एक चम्मच नमक दिया था। सेठ का माथा ठनका और बोला- अरे मूर्ख! इसमें तो जहरीला पदार्थ है। अब सेठजी भाग कर संतजी के पास गए, सन्तजी भगवान् के भोग लगाकर थाली लिए भोजन करने बैठे ही थे कि सेठजी दूर से ही बोले-महाराज जी रुकिए, आप जो नमक लाये थे, वो जहरीला पदार्थ था, आप भोजन नहीं करें। संतजी बोले-भाई हम तो प्रसाद लेंगे ही, क्योंकि भोग लगा दिया है और भोग लगा भोजन छोड़ नहीं सकते। हां, अगर भोग नहीं लगता तो भोजन नहीं करते और कहते-कहते भोजन शुरू कर दिया। सेठजी के होश उड़ गए, वो तो बैठ गए वहीं पर। रात हो गई, सेठजी वहीं सो गए कि कहीं संतजी की तबियत बिगड़ गई तो कम से कम बैद्यजी को दिखा देंगे तो बदनामी से बचेंगे। सोचते सोचते उन्हें नींद आ गई। सुबह जल्दी ही सन्त उठ गए और नदी में स्नान करके स्वस्थ दशा में आ रहे हैं। सेठजी ने कहा- महाराज तबियत तो ठीक है। सन्त बोले- भगवान की कृपा है! इतना कह कर मन्दिर खोला तो देखते हैं कि भगवान् के श्री विग्रह के दो भाग हो गए हैं और शरीर काला पड़ गया है। अब तो सेठजी सारा मामला समझ गए कि अटल विश्वास से भगवान ने भोजन का जहर भोग के रूप में स्वयं ने ग्रहण कर लिया और भक्त को प्रसाद का ग्रहण कराया। सेठजी ने घर आकर बेटे को घर दुकान सम्भला दी और स्वयं भक्ति करने सन्त शरण में चले गए! इसलिए रोज ही भगवान् को निवेदन करके भोजन का भोग लगा करके ही भोजन करें, भोजन अमृत बन जाता है। अत: आज से ही यह नियम लें कि भोजन बिना भोग लगाए नहीं करेंगे।

7 अंतर खोजें

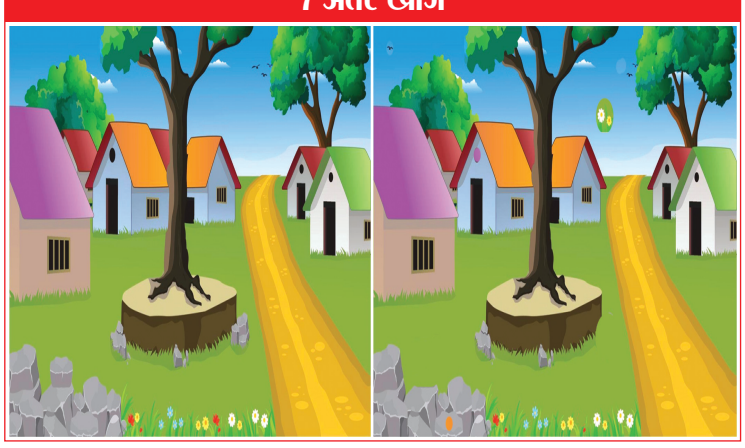

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी।

वृषभ वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। लाभ होगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन बुद्धि का प्रयोग करें। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

कर्क नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। समाजसेवा में रुझान रहेगा।

सिंह धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा।

कन्या कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

तुला किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी।

वृश्चिक व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

धनु अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें।

मकर व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें।

कुम्भ किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

मीन व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

दलपति 68 में अरविंद निभाएंगे खलनायक की भूमिका

दलपति 68 में साउथ सुपरस्टार अरविंद स्वामी की एंट्री हुई है। कहा जा रहा है कि अरविंद फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। दलपति68 को प्रसिद्ध फिल्म निर्माता वेंकट प्रभु द्वारा लिखा और निर्देशित किया जाएगा। फिल्म का निर्माण एजीएस एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जाएगा। अभिनेता और इस प्रोडक्शन हाउस ने पहले फिल्म बिगिल पर सहयोग किया था, जो 2019 में रिलीज हुई थी। इसके साथ ही यह भी खबर सामने आई है कि यह फिल्म भारी भरकम बजट में बनेगी और इसमें जबरदस्त एक्शन सीन होंगे। एजीएस एंटरटेनमेंट ने जून में फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो पोस्ट किया था। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में विलेन का किरदार अरविंद स्वामी निभा सकते हैं। इससे पहले अरविंद स्वामी को फिल्म कस्टडी में उनकी नकारात्मक भूमिका के लिए आलोचकों और दर्शकों से सराहना मिली। इसका निर्देशन भी वेंकट प्रभु ने किया था। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि फिल्म में साउथ सुपरस्टार दलपति विजय के अलावा विलेन का किरदार भी मुख्य आकर्षण होगा। कुल मिलाकर यह माना जा रहा है कि फिल्म में खलनायक की भूमिका एक प्रसिद्ध अभिनेता निभाएगा। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की पूरी कास्ट का खुलासा नहीं किया है। अभिनेत्री ज्योतिका फिल्म में मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाती नजर आ सकती हैं। यह जोड़ी इससे पहले फिल्म कुशी और थिरुमलाई में काम कर चुकी है। कुशी तमिल फिल्म उद्योग की कल्ट क्लासिक फिल्म बन गई। वहीं बात करें दलपति विजय की आने वाली फिल्म लियो के बारे में तो फिल्म में अभिनेता के साथ अभिनेत्री तृषा कृष्णा और बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त भी हैं। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। लियो 19 अक्तूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

ईडी ने नुसरत से मांगे अतिरिक्त दस्तावेज

फ्लैट देने का वादा कर धोखाधड़ी करने का है आरोप

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को टीएमसी सांसद व बांग्ला अभिनेत्री नुसरत जहां से सेवन सेंस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ उनके जुड़ाव के संबंध में अतिरिक्त दस्तावेज मांगे हैं। इस विशेष वित्तीय संस्थान पर बुजुर्ग व्यक्तियों को किफायती आवासीय फ्लैट का लालच देकर उनसे बड़ी रकम ठगने का आरोप है। इससे पहले इस मामले में ईडी के समन पर नुसरत 12 सितंबर को मामले में पूछताछ के लिए कोलकाता में ईडी कार्यालय में हाजिर हुई थी। हालांकि, उस दिन नुसरत जहां ने सभी दस्तावेज जमा नहीं किए, जो उनसे इस मामले में मांगे गए थे। इसलिए केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने नुसरत जहां से और दस्तावेज मांगे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, पूछताछ के दिन नुसरत जहां के जरिए पेश दस्तावेजों में उक्त इकाई के साथ उनके जुड़ाव के साथ-साथ आय-व्यय विवरण पर स्पष्टता का अभाव है। 12 सितंबर को ईडी अधिकारियों ने नुसरत से करीब छह घंटे तक पूछताछ की थी। ईडी दफ्तर से निकलते समय सांसद ने मीडिया से कहा था कि उन्होंने सभी सवालों का जवाब दिया है और जरूरत पड़ने पर भविष्य में हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। बता दें कि उक्त कंपनी के खिलाफ आरोप है कि वरिष्ठ नागरिकों से कई करोड़ रुपये एकत्र कर उन्हें फ्लैट उपलब्ध कराने की बजाय उनके पैसे का इस्तेमाल नुसरत जहां सहित कंपनी के अन्य निदेशकों द्वारा निजी आवासीय फ्लैट खरीदने के लिए किया गया था। हालांकि, पिछले महीने यह मामला सामने आने के बाद नुसरत जहां ने आरोपों से इनकार किया और दावा किया कि उन्होंने उक्त कार्पोरेट इकाई से लगभग 1.16 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। उन्होंने मार्च 2017 में इस्तीफा दे दिया और मार्च 2017 में 1.40 करोड़ रुपये ब्याज सहित ऋण भी चुका दिया था।

वक्त के साथ आया मेरे में बदलाव : आलिया

बॉलीवुड | मसाला

आलिया भट्ट ने वर्ष 2012 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर के बाद से कई बड़ी बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। उनकी एक्टिंग की सब तारीफ करते हैं। मगर, आलिया पर नेपोटिज्म के आरोप भी लगते रहे हैं। गौरतलब है कि आलिया फिल्मी पृष्ठभूमि से आती हैं। उनके पति महेश भट्ट इंडस्ट्री के नामी निर्माता-निर्देशक हैं। मगर, आलिया भट्ट का कहना है कि करियर बनाने में उन्हें पिता से मदद नहीं मिली। अभिनेत्री ने बताया कि शुरुआती दौर में नेपोटिज्म के आरोपों पर वह किस तरह प्रतिक्रिया देती थीं। आलिया भट्ट ने कहा कि वह इस सच से वाकिफ थीं कि उनका परिवार फिल्म इंडस्ट्री में है। इसलिए उनका झुकाव भी इस तरफ ज्यादा था। एक्ट्रेस ने कहा, मेरा झुकाव फिल्मी दुनिया की तरफ खुद काफी ज्यादा था, लेकिन ऐसा नहीं है कि मेरे पिता ने मुझसे ऐसा कहा हो कि जिस दिन तुम एक्टिंग की दुनिया में आना चाहोगी, हम तुम्हें फिल्म दे देंगे। आलिया ने कहा कि उन्हें पिता से वैसा सपोर्ट नहीं मिला। आलिया भट्ट ने आगे बताया कि फिल्मी घराने से ताल्लुक रखने के बावजूद उनकी मां सोनी राजदान को खुद इंडस्ट्री में स्ट्रगल करना पड़ा। एक्ट्रेस ने कहा, बहुत से लोगों को यह मालूम नहीं है। बतौर एक्ट्रेस मेरी मां ज्यादा से ज्यादा काम करना चाह रही थीं। एक फिल्म डायरेक्टर और प्रोड्यूसर से शादी करने के बाद भी उन्हें ऐसा नहीं लगा कि उन्हें एक्टिंग का अधिकार मिल गया है। आलिया भट्ट ने आगे कहा कि शुरुआत में जब उन्हें लेकर नेपोटिज्म से जुड़ी बहस होती थीं तो वह खुद का बचाव करने लगती थीं। लेकिन, बाद में उनकी विचारधारा इसके प्रति बदल गई। एक्ट्रेस ने कहा, नेपोटिज्म के प्रति शुरुआत में मेरी प्रतिक्रिया बचाव वाली थी। मैं कहा करती थी कि मैं हार्ड वर्क करती हूं। इसलिए यह सवाल क्यों? लेकिन बाद में मुझे समझ आया कि दुनिया में और भी बहुत स्ट्रगल हैं।

अजब-गजब | बंदूकों के साथ दफनाया गया ये शख्स

जिससे परलोक में अपनी रक्षा कर सके सुंदर दिखे इसलिए टोपी भी पहनाई

दुनिया में कई जगह मृत्यु के बाद लोगों को पारंपरिक हथियारों के साथ दफनाने की परंपरा रही है। कुछ दिनों पहले जर्मनी में पाषाण और मध्य युग की कुछ कब्रें खोदी गई थीं। उनमें भी मिट्टी के बर्तनों के साथ हथियार मिले थे। इनमें तलवारें, भाले, ढाल, हड्डी की कंघी जैसे सामान शामिल थे। लेकिन आज एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। एक शख्स को बंदूकों के साथ दफनाया गया ताकि परलोक में वह अपनी रक्षा कर सके। उसे कई मशीनगनों, रिवाल्वर से पूरी तरह ढंककर दफन किया गया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, मामला इक्वाडोर का है। यहां 39 साल के मैनुएल जूलियन सेविलानो बस्टामांटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बस्टामांटे यहां के ड्रग तस्करी गिरोह 'लॉस फैटेल्स' का नेता था। उसके गिरोह में हजारों की संख्या में लोग शामिल हैं। जब उसकी मौत हुई तो उसके साथियों ने ताबूत को मशीनगनों, बन्दूकों और यहां तक कि एक रिवॉल्वर से भर दिया ताकि वह 'मृत्यु के बाद भी पूरी तरह से हथियारों से लैस रहे और अपनी रक्षा कर सके। उन्होंने उसे पहनने के लिए एक टोपी भी दी ताकि वह सेंट पीटर के गेट पर सबसे अच्छा दिख सके। अधिकारियों के मुताबिक,

इक्वाडोर के लॉस रियोस क्षेत्र में काम ड्रग तस्करी करने वाले बस्टामांटे बीते दिनों जब अपनी 20 साल की बेटी और एक सुरक्षा गार्ड के साथ जा रहा था तब उस पर गोलियों की बारिश की गई थी। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई थी। हालांकि, अभी तक किसी गिरोह ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है। अफसरों ने बताया कि हो सकता है कि ड्रग तस्करी गिरोहों के बीच संघर्ष हुआ हो। इसकी जांच की जा रही है। इक्वाडोर में ड्रग तस्कर गिरोहों के बीच हिंसा तेजी से बढ़ी है। 2022 में इन संघर्षों में 4600 से ज्यादा लोगों की मौतें हुईं, जो पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हैं। 2023 की पहली छमाही में 3568 लोग अब तक मारे जा चुके हैं और नया रिकॉर्ड बनने की ओर है। इस साल की शुरुआत में तीन राजनेताओं की हत्याएं भी हुई थीं, जिसने देश को हिलाकर रख दिया था।

बच्चों को किडनैप कर ले जाती है ये भूतनी सीने में छिपा कर हो जाती है गायब

एक भूतनी, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह बच्चों को किडनैप कर ले जाती है। वह उनको अपने सीने में छिपा कर गायब हो जाती है। जिससे डरे लोगों में खौफ पैदा हो गया है। इस भूतनी को लेकर पीढ़ियों से एक डरावनी कहानी चली आ रही है, जिसने बुरा व्यवहार करने वाले युवाओं के दिलों में डर पैदा कर दिया है। डेलीस्टार की रिपोर्ट के अनुसार, लोककथाओं के अनुसार- वेवे गोम्बेल नाम की एक महिला थी। शादी के कई सालों बाद तक उसे कोई बच्चा नहीं हुआ। जैसे-जैसे समय बीतता गया, उसके पति को एहसास हुआ कि उसकी पत्नी बांझ है। उसने उससे प्यार करना बंद कर दिया। जिससे वेवे गोम्बेल दुखी रहने लगी। एक दिन उसने अपने पति का पीछा किया। उसने उसे दूसरी महिला के साथ बिस्तर पर पाया। अपने पति के धोखे से आहत होकर वह क्रोधित हो गई। वह अपने पति को मार डालती है। बदले में उसके पड़ोसियों ने उसे ढूंढ निकाला। कहा जाता है कि अपने उग्र पड़ोसियों से घिरी वेव गोम्बेल ने अपनी जान ले ली। अब उसकी आत्मा इधर-उधर भटकती है। वह बच्चों को किडनैप कर ले जाती है। वह उनको अपने सीने में छिपा कर गायब हो जाती है। यह कहानी लोगों के बीच खौफ का कारण बनी हुई है। इस भूतनी ने इंडोनेशिया में स्थानीय लोगों के बीच चिंता पैदा कर दी है। रियल-लाइफ के मामले अब भूत-प्रेत और खून से लथपथ वेव गोम्बेल की अफवाहों से जुड़े हुए हैं। 2017 के एक मामले में एक बच्चा बिना किसी सुराग के गायब हो गया और उस समय कुछ बेतुके दावे किए गए। कहा गया है कि उसे भूतनी वेव गोम्बेल किडनैप करके ले गई है। लेकिन इंडोनेशिया की मेडन सिटी में लड़के के मिसिंग होने के एक दिन बाद, वह भटकता हुआ एक झाड़ी में मिला था। स्थानीय बुजुर्ग महिलाएं भूतनी वेवे गोम्बेल की कहानी को लेकर कुछ उलझन में हैं। कुछ का मानना है कि भूतनी को गलत समझा जाता है। लापता बच्चों के प्रति उसकी नफरत उसकी बांझपन से आती है। हालांकि लोककथाओं से पता चलता है कि वह केवल उन्हीं बच्चों को अपने साथ ले जाती है, जिनके पेरेंट्स दुर्व्यवहार करते हैं।

ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन की बैठक पर उठ रहे सवाल

टेलीविजन समाचार संस्थानों के संपादकों की संस्था है बीईए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश भर के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार चैनलों की शीर्ष संस्था, ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन (बीईए) ने देश के 14 प्रमुख एंकर्स का इंडिया समूह द्वारा बायकाट किये जाने की घोषणा के बाद इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। 18 सितंबर को नोटिस भेजकर 19 को बैठक हुई। सादे कागज पर जारी बयान के अनुसार, एंकर बॉयकॉट के लिए इंडिया एलायंस की आलोचना हुई और इसे वापस लेने की मांग की गई। आप जानते हैं कि देश में प्रिंट मीडिया के संपादकों की संस्था एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया है और टेलीविजन समाचार संस्थानों के संपादकों की संस्था बीईए है।

14
एंकर्स का इंडिया द्वारा बायकॉट पर बुलाई इमरजेंसी मीटिंग

मोदी सरकार में प्रिंट मीडिया के साथ टेलीविजन मीडिया भी सरकारी बाजा बन गये हैं और सरकार जनहित की रक्षा करने वाली सभी संस्थाओं को एक-एक कर नष्ट कर रही है। अकेले व्यक्ति की कोई हैसियत ही नहीं है और उसके कंप्यूटर में सबूत प्लांट कर जेल में बंद रखने के आरोप हैं। ऐसे में लंबे समय से निष्क्रिय बीईए की आपात बैठक सामान्य नहीं है। खासकर एडिटर्स गिल्ड की रिपोर्ट के बाद टीम के सदस्यों पर एफआईआर तथा उस मामले में गिल्ड की बैठक न होने तथा जो खबरें हुईं और नहीं हुईं के आलोक में उस मुद्दे पर बीईए की बैठक नहीं होना तो मायने रखता ही है। बायकाट किये जाने वाले एंकरों में आजतक के एंकर के शामिल होने के बाद आजतक के सुप्रिय प्रसाद द्वारा अपने ही दफ्तर में बैठक बुलाना और इंडिया टुडे समूह के परिसर में बैठक होने के भी मायने हैं। यहां यह बताना अप्रासंगिक नहीं होगा कि इंडिया टुडे समूह द्वारा चलाये जाने वाले एक स्कूल के पूर्व छात्र ने इंडिया टुडे समूह के प्रमुख अरुण पुरी को एक चिट्ठी लिखी है जो सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं।

यूट्यूबर अजीत अंजुम ने प्रतिबंधित एंकरों पर बनाया वीडियो

इसमें दिलचस्प यह भी है कि यूट्यूबर अजीत अंजुम ने इन एंकर्स के कारनामों और इस मामले में कई वीडियो बनाए हैं और वे भी बीईए के सदस्य हैं। बुलावा उन्हें भी था पर वे गए नहीं और अपनी बात कई वीडियो के जरिये रखी है। अजीत अंजुम के एक वीडियो (तीसरे) का शीर्षक है, टीवी एडिटर्स की मीटिंग में दागी एंकर्स को बचाने के लिए आज क्या सब हुआ।

पेशेवर ढिलाई से खत्म होती जा रही पत्रकारिता की साख

बैठक के बाद जारी बयान को पढ़ने के बाद वेंकट वेमुरी (वीवीपी शर्मा) ने पूछा है, क्या बीईए को आंतरिक तौर पर इस मामले से नहीं जूझना चाहिये था। उन्होंने लिखा है कि पेशेवर ढिलाई से पत्रकारिता की साख खत्म होती जा रही है। यह ढिलाई जब पूर्वाग्रह दिखाने की होती है तो कुछ एंकर कथित रूप से जो करते हैं उसे खुलेआम सांप्रदायिक माना जा सकता है और इसे दूर करने की आवश्यकता नहीं है? और इसके लिए सबसे अच्छे लोग कौन हैं बल्कि वही जिनके नेतृत्व में ऐसे आरोप लगे हैं। या अगर यह महसूस किया जाता है कि एंकर्स ने कुछ गलत नहीं किया है तो एसोसिएशन को ऐसा खुलेआम और अधिकार पूर्वक कहना चाहिए। पर एसोसिएशन जो नहीं कर सकता है वह है, इसे पूरी तरह नजर अंदाज करना। ऐसे एसोसिएशन की बैठक की सूचना के साथ ही कार्यकारणी के चुनाव की भी बात कही गई थी। इसका मतलब है कि जो कार्यकारिणी समिति चल रही है उसकी मियाद निकल चुकी है। ऐसी समिति की बैठक और उसके निर्णय के मायने स्पष्ट हैं। और इसके बारे में बीईए के सदस्यों में एक और एनके सिंह ने पूछा है, कौन सा बीईए? वही जो साजिशन लंबे समय पहले दफन किया जा चुका है और अब उसे फिर से खड़ा किया जा रहा है ताकि उसके नाम पर कुछ बेशर्मी और की जा सके। बैठक में और उसके नाम पर जो बेशर्मी हुई उसे बताना मेरा मकसद या काम नहीं है। मैं सिर्फ यह बताना चाहता हूं कि जो बैठक थी वह कैसी होगी। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ पत्रकार और बीईए के पूर्व महासचिव एनके सिंह, एनडीटीवी के बिग फाइट कार्यक्रम में कह चुके हैं कि मालिकों के हस्तक्षेप के कारण भारत में मीडिया का आत्मनियमन बाधित हुआ है। मुझे बीईए का कोई वेबसाइट या ट्वीटर हैंडल नहीं मिला। यहां यह बताया जा सकता है कि 2012 में जब सुधीर चौधरी पर वसूली का आरोप लगा था तो वह जी न्यूज़ का संपादक और बिजनेस हेड था। बीईए ने तब उसे कोषाध्यक्ष के पद से हटाने के साथ-साथ संस्था की प्राथमिक सदस्यता से भी निलंबित कर दिया था। अब वह बायकाट किये जाने वाले 14 एंकरों में भी है। इसके बावजूद बीईए की बैठक हुई और उसकी खबर चल रही है तथा सोशल मीडिया पर शेयर भी हो रही है। बीईए की आपात बैठक दागी और सांप्रदायिक एंकरों पर लगे कलंक को धोने की कोशिश के अलावा क्या हो सकती है। इसमें दफन की जा चुकी एक संस्था के नाम पर सत्ता के समर्थन की कोशिश भी की जा रही है।

महिला कांस्टेबल पर हमले का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

एसओ समेत तीन पुलिसकर्मी घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरयू एक्सप्रेस में महिला मुख्य आरक्षी पर हमले के मामले में पुलिस ने एक अपराधी अनीस को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। एसटीएफ और अयोध्या पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान एनकाउंटर में अपराधी नसीम ढेर हुआ है। उसके दो अन्य साथी भी घायल हुए हैं। मुठभेड़ में एसओ पुराकलंदर रतन शर्मा व दो अन्य सिपाही के भी घायल होने की सूचना है। क्षेत्र के थाना पूराकलंदर के छतरिवा पारा कैल मार्ग पर मुठभेड़ हुई है। इसी मामले में थाना इनायत नगर से दो अन्य आरोपियों को भी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है।

सावन मेले के दौरान सरयू एक्सप्रेस में महिला मुख्य आरक्षी पर हमला हुआ था। महिला को गंभीर हालत में लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के खुलासे के लिए एसटीएफ व जीआरपी को लगाया गया था। घटना 31 अगस्त को हुई थी। इस मामले में कोर्ट ने भी संज्ञान लिया था और आधी रात को कोर्ट खोलकर सुनवाई की गई थी। जानकारी के अनुसार मुठभेड़ में मारा गया अनीस महिला कांस्टेबल से छेड़खानी करने लगा था। महिला ने बदमाश को पटक दिया तो तीनों बदमाशों ने महिला पर जानलेवा हमला कर दिया। ट्रेन की खिड़की से सिर लड़ाकर महिला को घायल कर दिया था। अयोध्या से पहले ट्रेन धीमी हुई थी तो तीनों बदमाश फरार हो गए थे। यूपी एसटीएफ और अयोध्या पुलिस ने महिला कांस्टेबल पर जानलेवा हमला करने वाले एक बदमाश को मार गिराया है। मारे गए बदमाश अनीस के दो अन्य साथी आजाद और विशंभर दयाल उर्फ लल्लू घायल है। स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने कहा, सरयू एक्सप्रेस में महिला कांस्टेबल पर हमला करने वाला मुख्य आरोपी अयोध्या के पूरा कलंदर में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। उसके दो अन्य साथियों को मुठभेड़ के बाद इनायत नगर से गिरफ्तार किया गया है।

प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी का मौसम पल-पल रंग बदल रहा है। अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग तरह का मौसम हो रहा है। कहीं पर उमस लोगों को परेशान कर रही है तो कहीं भारी बारिश में पारे में गिरावट आ गई है। मौसमी उठापटक के बीच निम्न दबाव के क्षेत्र का असर प्रदेश के कई हिस्सों में दिख सकता है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है, कुछ इलाकों में भारी बरसात भी हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र ने अलर्ट जारी किया है। प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, कासगंज, आगरा, फिरोजाबाद, संभल, बदायूं व आसपास इलाकों में शुक्रवार की सुबह तक भारी बरसात भी हो सकती है।

शिवराज भ्रष्टाचार की पाठशाला बन गए : कमलनाथ

बीजेपी सरकार ने आदिवासियों को पट्टे दिए जाने में की गड़बड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजनीति जितनी इन दिनों धरातल पर हो रही है, उससे कहीं अधिक सोशल मीडिया पर देखने को मिल रही है। नेताओं का ट्विटर के जरिए एक दूसरे पर निशाना साधना सवाल पूछना जारी है। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने भी एक बार फिर ट्विटर के जरिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा है।

उन्होंने श्योपुर में आदिवासी परिवारों को पट्टे दिए जाने में सामने आई गड़बड़ी के मामले में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सीएम के सामने कई सवाल रखें। उन्होंने एक्स पर लिखा कि शिवराज जी, आप भ्रष्टाचार में नवाचार की पाठशाला बन गए हैं। आपने आदिवासियों पर अत्याचार की सारी हदें पार कर दी हैं। अब तक जनता आरोप लगाती थी, लेकिन अब तो सरकारी अधिकारी भी इस पर मुहर लगा रहे हैं। कमलनाथ आगे लिखते हैं कि आदिवासी बहुल श्योपुर जिले के कलेक्टर ने खुलासा किया है कि जिले में बड़े पैमाने पर बाहरी लोगों को अवैध पट्टे दिए गए हैं। आदिवासियों के नाम पर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के लोगों को पट्टे दे दिए गए हैं। इस घोटाले में आपकी पूरी सरकारी मशीनरी शामिल है। वहीं, पूर्व सीएम ने सीएम शिवराज से कुछ सवाल भी पूछे हैं। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र श्योपुर जिले में बहुसंख्या में सरकारी जमीन के पट्टे ऐसे लोगों को बांट दिए गए हैं जो मध्यप्रदेश के निवासी ही नहीं हैं। ऐसे लोगों में दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के कई लोग शामिल हैं। इन लोगों ने सरकारी अधिकारियों और पटवारी से सांठगांठ करके यह जमीन अपने नाम कर ली और अब उसे बेचने की फिराक में लगे हुए हैं। बताया जा रहा है कि इस बात का खुलासा खुद कलेक्टर संजय कुमार की जांच पड़ताल में हुआ है। वहीं, खुलासा होने के बाद कार्रवाई करने की बात कही जा रही है।

एशियन गे स फुटबॉल में भारत की शानदार जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चीन। एशियन गेम्स 2023 में भारतीय फुटबॉल टीम ने बांग्लादेश को हराकर बेहतरीन जीत हासिल की है। इससे पहले भारतीय टीम की एशियन गेम्स में शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। मेजबान चीन ने ग्रुप फेज के पहले ही मैच में भारत को हराया था। जिसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ करो या मरो मुकाबले में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर ली है। ग्रुप ए का ये मैच भारत और बांग्लादेश के बीच रोमांचक रहा है।

मैच का पहला और एकमात्र गोल 85वें मिनट में आया। दोनों टीमों ने खूब पसीना बहाया, लेकिन पेनल्टी के जरिए भारत को गोल करने का मौका मिला और कप्तान सुनील छेत्री ने ये मौका हाथ से जाने नहीं दिया। इस तरह आखिरी पलों में भारत को 1-0 की बढ़त मिली और इसी गोल की बदौलत भारत को जीत मिली। भारत को ग्रुप ए में अभी म्यांमार की टीम से भी भिड़ना है। भारत को चीन के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा था। टीम कुछ ही समय पहले चीन पहुंची थी और जल्दी ही भारतीय खिलाड़ियों को मैदान में उतरना पड़ा था। हालांकि, अब भारत म्यांमार के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगा।

बांग्लादेश को रौंदा, छेत्री का उम्दा गोल

क्रिकेट में शेफाली ने रचा इतिहास

एशियन गेम्स में भारतीय महिला क्रिकेट टीम और मलेशिया के बीच बारिश के कारण मुकाबला रद्द हो गया। इस मुकाबले में भारतीय महिला टीम की ओर से युवा सलामी बल्लेबाजी शेफाली वर्मा ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। बारिश के कारण ये मैच पहले 15-15 ओवर का रखा गया लेकिन दूसरी पारी के दौरान बारिश ने मैच रद्द करवा दिया। 19 वर्षीय खिलाड़ी एशियाई खेलों में फिफ्टी बनाने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। उन्होंने 39 गेंदों में चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 67 रन बनाए। शैफाली ने मुकाबले में ये मुकाम 11वें ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का जड़कर हासिल किया। उन्होंने मलेशिया टीम की किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और सभी पर कड़ा प्रहार किया। इससे पहले भी शेफाली ने टीम इंडिया के लिए कई ताबड़तोड़ पारी खेली।

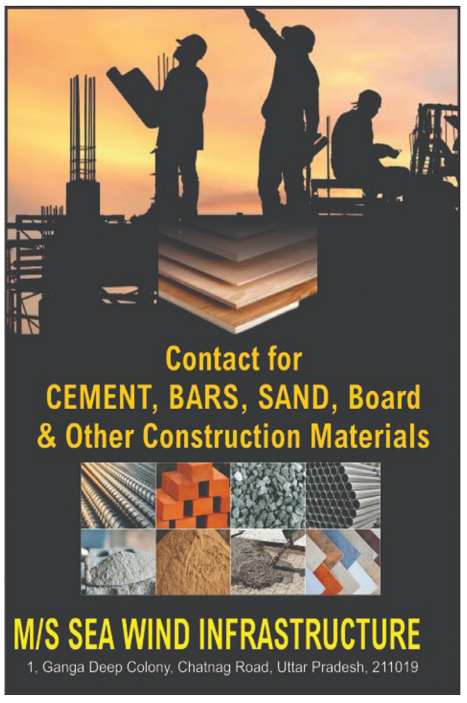

वाह रे सरकारी विभाग ! रविप्रा का कारनामा

» जिस जमीन को खुद व्यवसायिक बता की वसूली उसी को कृषि बताकर दिया मुआवजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकारी विभाग कैसे काम करते हैं इसकी एक बानगी रायबरेली विकास प्राधिकरण द्वारा देखने को मिली है। विकास प्राधिकरण ने जिस जमीन पर दंड लगाकर व्यवसायिक जमीन के रूप में रजिस्ट्री की धनराशि जमा करवाई उसी जमीन को बाद में कृषि योग्य बताकर कृषि भूमि की कीमत का मुआवजा लगा दिया। ऊपर से ये पैसा भी संबंधित व्यक्ति को न देकर ट्रेजरी में जमा करवा दिया। मामला जब बढ़ा तो कोर्ट कचहरी भी हुई पर जमीन अब भी वैसे ही है और पीड़ित शासन व प्रशासन की दौड़ लगा रहे है।

जमीन पाने को दर-दर भटक रहे पीड़ित

दरअसल, माता बख्श सिंह रायबरेली निवासी ने 2002 में लखनऊ-रायबरेली मार्ग पर 22 सौ वर्ग मीटर एक जमीन खरीदी थी। जिसकी रजिस्ट्री 2003 करवाई। बाद 2006 में रायबरेली विकास प्राधिकरण ने उसे व्यवसायिक बताकर उस पर अर्थदंड के साथ रजिस्ट्री का पैसा जमा करवाया। तत्पश्चात 2009 से 18 तक भुक्तभोगी के पुत्र ने वहां पर एक दुकान भी खोली। फिर उसके बाद

बाजार भाव से कम कीमत में बेचने की तैयारी

माताबख्श सिंह के पुत्र रंजीत सिंह ने बताया कि जमीन अब भी खाली पड़ी है। हमें इसका मुआवजा भी नहीं मिला और प्राधिकरण जमीन वापस भी नहीं कर रही है। जुलाई 2023 में प्राधिकरण ने गुपचुप तरीके से इसको नीलाम कर दिया जबकि उसके लिए कोई विज्ञापन नहीं किया गया। उक्त जमीन एक व्यवसाई को सस्ते में बेचने की प्रक्रिया अधिकारियों द्वारा की गई। वर्तमान में जमीन की कीमत डेढ़ करोड़ है जबकि अधिकारी व्यवसाई के साथ मिली भगत करके इसे मात्र 65 लाख में बेचने की कोशिश में लगे हुए हैं।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस जमीन को अधिगृहित किया जा रहा क्योंकि यहां पर ट्रांसपोर्ट नगर बसेगा। इसके बाद 75 हजार रुपये मुआवजा राशि निर्धारित करके उसे कृषि योग्य भूमि बताकर प्रार्थी से ले लिया गया। उसके बाद अधिग्रहण का मामला फिर खटाई में पड़ गया। जब वहां पर कोई अधिग्रहण नही हुआ प्रार्थी माता बख्श ने अपनी जमीन लौटाने लिए प्राधिकरण से प्रार्थना की पर कोई सुनवाई नहीं हुई बाद में जिला कोर्ट में मामला गया। सुनवाई के बाद अब फैसला हाईकोर्ट तक चला गया। जमीन ऐसी ही खाली पड़ी रही जबकि प्राधिकरण ने यहां से कुछ दूर एकता विहार नाम से कालोनी विकसित कर दी। मामला अब भी कोर्ट में है जबकि जुलाई 23 में प्राधिकरण ने उक्त जमीन को बिना किसी उचित प्रक्रिया नीलमी में डाल दिया जो गैरकानूनी है। भुक्त भोगी ने इस मामले की जानकारी व अधिकारियों की शिकायत मुख्यमंत्री से भी की है। ग्राम अख्तयारपुर, प्रगरतीपुरम के विपरीत, तहसील सदर, जिला रायबरेली में स्थित भूमि खसरा संख्या 201/1, क्षेत्रफल लगभग 204 वर्ग मीटर को उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 कि धारा 17 के अंतर्गत प्रार्थी को प्रत्यावर्तन करने के सन्दर्भ में मुख्यमंत्री को प्रत्र भेजा है।

भाजपा सांसद विधूड़ी ने तार-तार की मर्यादा

» संसद में अभद्र बोली- ये आतंकवादी-उग्रवादी है, ये मुल्ला आतंकवादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ओए ..., ओए उग्रवादी, ऐ उग्रवादी बीच में मत बोलना, ये आतंकवादी-उग्रवादी है, ये मुल्ला आतंकवादी है... इसकी बात नोट करते रहना अभी बाहर देखूंगा इस मुल्ले को। यह शब्द केंद्र की सत्ता में आसीन भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सांसद रमेश बिधूड़ी के हैं। श्रीमान जी संसद में दक्षिण दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिस तरह के सड़क छाप शब्दों का उन्होंने लोकसभा में इस्तेमाल किया और उसे सुनकर पूर्व केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन ने मुस्कान बिखेरी, यह दृश्य बहुत से लोगों को नागवार गुजरा।

भाजपा समर्थकों ने तो चुप्पी साध रखी है, लेकिन विपक्ष के कई नेताओं और आम लोगों ने एक सांसद के मुंह से ऐसे अपशब्द सुनकर माथा पकड़ लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी और भाजपा के ज्यादातर नेता बात-बात पर जिस लोकतंत्र के मंदिर की बात करते हैं वहीं पर उनके ही एक सांसद किस तरह के शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे, यह उन्हें वीडियो को रिवाइंड करके सुनना चाहिए। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बिधूड़ी के संबोधन का एक हिस्सा शेयर करते हुए लिखा है कि कोई शर्म नहीं बची है। बाद में राजनाथ सिंह को खेद जताना पड़ा। कांग्रेस और आप ने ट्वीट कर पीएम मोदी पर निशाना साधा है। कार्यवाही से उनकी टिप्पणियों को रिकॉर्ड से भी हटा दिया गया है। अब लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने उनको चेतावनी देते हुए कहा है कि इस तरह की भाषा वह दोबारा इस्तेमाल नहीं करें वरना उनके खिलफ सख्त एक्शन होगा। अधिकारियों के मुताबिक स्पीकर ओम बिड़ला ने लोकसभा में चंद्रयान की सफलता पर चर्चा के दौरान बीएसपी सांसद दानिश अली के लिए इस्तेमाल किए गए आपत्तिजनक शब्दों को गंभीरता से लिया है।

राजनाथ ने मांगी माफी

भाजपा सांसद की अमर्यादित भाषा पर विपक्षी सांसदों ने आपत्ति जताई। विपक्ष के हंगामे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने भाजपा सांसद की बातों को नहीं सुना लेकिन आसन से अपील की कि अगर टिप्पणी से विपक्षी सदस्य नाराज हैं तो इन शब्दों को कार्यवाही से हटा दिया जाए। इसके बाद राजनाथ सिंह ने सांसद के बयान पर माफी मांगी। राजनाथ सिंह के इस कदम की विपक्षी सांसदों ने भी तारीफ की।

फोटो :4 पीएम

स्वागत आरएसएस चीफ मोहन भागवत आज तीन दिवसीय प्रवास पर लखनऊ पहुंचे, अवध प्रांत की कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता और भाजपा नेताओं के साथ बैठक करेंगे सर संघ चालक।

कनाडा में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है : सुरक्षा विभाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोरंटो। भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक संबंधों में तनाव जारी है। इस बीच एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें हिंदुओं को धमकियां दी जा रही हैं और उनसे देश छोड़ने को कहा जा रहा है।

इस वीडियो पर कनाडा ने कहा कि देश में आक्रामकता, नफरत, धमकी या डर का माहौल बनाने वाली गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं है। वायरल हो रहे वीडियो पर कनाडा के सुरक्षा विभाग ने कहा कि यह आक्रामक और घृणास्पद है।

रोशनी पाते ही विक्रम और प्रज्ञान होंगे सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। धरती से करीब पौने चार लाख किलोमीटर दूर चांद के साउथ पोल रीजन में स्लीप मोड में पार्क किए गए चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान के दोबारा एक्टिव होने की किसी भी वक्त खबर आ सकती है, इसकी वजह है कि चांद पर बुधवार (20 अगस्त) को ही सूर्योदय की शुरुआत हो गई, अब शुक्रवार (22 सितंबर) साउथ पोल रीजन के शिव शक्ति पॉइंट, जहां चंद्रयान-3 के लेंडर और रोवर स्लीप मोड में हैं, वहां रोशनी पहुंचने लगी है।

इनके सोलर पैनल पर माइंस 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान पड़ते ही अगर बैटरी खराब नहीं हुई है तो चार्ज होने लगेगी। तब इनसे

दोबारा कम्युनिकेशन स्थापित हो सकेगा, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 की टेक्निकल स्टेटस की मॉनीटरिंग शुरू कर दी है, इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने एक दिन पहले गुरुवार को ही बताया था कि 20 सितंबर से ही चांद पर सूर्योदय की शुरुआत हो गई है। इसरो चीफ सोमनाथ कहा था कि 21-22 सितंबर तक शिव शक्ति पॉइंट पर रोशनी पड़ने लगेगी। उन्होंने यह भी बताया था कि पहले दोनों के एक निश्चित तापमान से ऊपर गर्म होने का इंतजार किया जाएगा, इसके बाद इसरो के कमांड सेंटर से स्पेशल कमान भेजकर दोनों उपकरणों को एक्टिव करने की कोशिश होगी। हम सिर्फ उम्मीद कर सकते हैं। वहीं एक दिन पहले गुरुवार को संसद में चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा था कि जैसे ही चांद पर तापमान माइनस 10 डिग्री सेल्सियस के ऊपर होगा विक्रम और प्रज्ञान नींद से जाग जाएंगे।

स्वदेशी हिट शिल्डिंग तकनीक का हुआ है इस्तेमाल

इसरो ने इन दोनों उपकरणों में लगी बैटरी को एक खास तापमान पर बनाए रखने के लिए स्वदेशी हिट शिल्डिंग तकनीक का इस्तेमाल किया है। इसके लिए कई खनिजों को मिलाकर बनाई गई शिल्डिंग की टेस्टिंग धरती पर भी हुई है। 31 अगस्त को चांद के साउथ पोल रिजन पर चंद्रयान की ऐतिहासिक सफल लैंडिंग के बाद एस सोमनाथ ने बताया था कि लैंडर और रोवर में इस्तेमाल की गई बैटरी की टेस्टिंग - 150 डिग्री सेल्सियस तापमान पर भी की गई थी। हालांकि चांद पर रात के समय -200 डिग्री सेल्सियस से भी कम तापमान पहुंच जाता है जिससे बैटरी के डेड होने की आशंका रहती है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।